

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th



aglasem.com

Class : 7th

Subject : इतिहास

Chapter : 7

Chapter Name : जनजातियों , खानाबदोश और एक जगह बसे हुये समुदाय

Q1 निम्नलिखित में मेल बैठाएँ :

- गढ़

खेल
- टांडा

चौरासी
- श्रमिक

कारवाँ
- कुल

गढ़ कटंगा
- सिब सिंह

अहोम राज्य
- दुर्गावती

पाइक

Answer.

गढ़	चौरासी
टांडा	कारवाँ
श्रमिक	पाइक
कुल	खेल
सिब सिंह	अहोम राज्य

दुर्गावती	गढ़ कटंगा
-----------	-----------

Page : 101 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

- (क) वर्णों के भीतर पैदा होती नयी जातियाँ _____ कहलाती थीं।
- (ख) _____ अहोम लोगों लिखी गई ऐतिहासिक कृतियों थीं।
- (ग) _____ ने इस बात का उल्लेख किया है कि गढ़ कटंगा में 70,000 गाँव थे।
- (घ) बड़े और ताकतवर होने पर जनजातीय राज्यों ने _____ और _____ को भूमि-अनुदान दिए।

Answer.

- (क) श्रेणियाँ
- (ख) बुरंजी
- (ग) अकबरनामा
- (घ) मंदिर बनवाए , ब्राह्मणों

Page : 102 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 सही या गलत बताइए :

- (क) जनजातीय समाजों के पास समृद्ध वाचक परंपराएँ थीं।
- (ख) उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग में कोई जनजातीय समुदाय नहीं था।
- (ग) गोंड राज्यों में अनेक नगरों को मिला कर चौरासी बनता था।

(घ) भील , उपमहाद्वीप के उत्तर-पूर्वी भाग में रहते थे।

Answer.

(क) सही

(ख) गलत

(ग) गलत

(घ) गलत

Page : 102 , Block Name : फिर से याद करें

Q4 खानाबदोश पशुचारकों और एक जगह बसे हुए खेतिहरों के बीच किस तरह का विनिमय होता था?

Answer. खानाबदोश पशुचारक खेतिहर गृहस्थों से अनाज , बर्तन कपड़े और ऐसी ही चीज़ों के लिए घी , ऊन इत्यादि का विनिमय करते थे।

Page : 102 , Block Name : फिर से याद करें

Q5 अहोम राज्य का प्रशासन कैसे संगठित था?

Answer. अहोम राज्य का प्रशासन निम्नलिखित प्रकार से संगठित था-

- अहोम राज्य की जनगणना के बाद प्रत्येक गाँव को अपनी बारी आने पर निश्चित संख्या में पाइक (जो एक प्रकार के दास होते थे) भेजने होते थे।
- इसके लिए जनगणना के बाद सघन आबादी वाले इलाकों से कम आबादी वाले इलाकों में लोगों को स्थानांतरित किया जाता था। इस तरह अहोम कुल टूट गए।
- इसके बाद सत्रहवीं शताब्दी का पूर्वार्ध पूरा होते हुए प्रशासन संगठित हो गया था।

Page : 102 , Block Name : आइए समझें

Q6 वर्ण आधारित समाज में क्या परिवर्तन आए?

Answer. वर्ण आधारित समाज में निम्नलिखित परिवर्तन आए :-

- समय के साथ-साथ वर्ण व्यवस्था में भी परिवर्तन हुए। आवश्यकताओं ने कई पेशेवर लोगों को जातियों में विभाजित कर दिया। अब वर्ण से ज्यादा, जाति से समाज की पहचान होने लगी।
- ब्राह्मणों ने समाज को वर्ण के अनुसार बड़े हिस्सों में विभाजित किया था।
- उनके नियम बड़े-बड़े राज्यों के राजाओं ने स्वीकार किये।
- इस परिवर्तन से ऊँचे और नीचे तथा अमीर गरीब के बीच दूरीयाँ बढ़ गयी।
- दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों के काल में श्रेणीबद्ध समाज ज़्यादा जटिल हो गया।

Page : 102 , Block Name : आइए समझें

Q7 एक राज्य के रूप में संगठित हो जाने के बाद जनजातीय समाज कैसे बदला?

Answer. जब जनजातियाँ एक राज्य के रूप में संगठित हुई तब उनका समाज इस प्रकार बदला :-

- कुछ जनजातियों के कुल जो वंश परम्पराओं में आते थे वह राजपूत मान लिए गए।
- कुछ जनजातियों ने कृषि वाले क्षेत्रों में शासकों की जगह ले ली।
- ब्राह्मणों के समर्थन से कुछ जनजातियाँ, जाति व्यवस्था का हिस्सा बन गईं।
- जनजातियों ने पूरी के पूरे साम्राज्य का निर्माण कर लिया, जिसमें प्रमुख उदाहरण गोंड और अहोम जनजातियों का हैं।
- एक राज्य के रूप में उन्होंने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मुगलों से विद्रोह भी किया।

Page : 103 , Block Name : आइए समझें

Q8 क्या बंजारे लोग अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण थे?

Answer. बंजारे व्यापारी किस्म की जनजाति थे। उन्हें वर्तमान समय में भी राजस्थान और गुजरात में देखा जा सकता है। मुगल काल में बंजारे लोग अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे :-

- विभिन्न इलाकों से बंजारे बैलों पर अनाज लादकर शहरों में जाकर बेचते थे। उनके कारवों को टंडा कहा जाता था।
- वे अच्छे व्यापारी माने जाते थे।

→ जब मुगल सेना युद्ध लड़ नहीं जाती थी तब बंजारे ही उनके लिए खाने पीने का सामान ढोते थे। जब वे एक जगह सामान उतार देते थे, तब लौटते समय दूसरी जगह का सामान लेकर चलते थे। इससे बंजारे मालवाहकों की तरह सामान के आयात निर्यात में मदद करती थे।

Page : 103 , Block Name : आइए विचार करें

Q9 गोंड लोगों का इतिहास , अहोमों के इतिहास से किन मायनों में भिन्न था? क्या कोई समानता भी थी?

Answer. गोंड और अहोम भारत के दो अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले जनजातीय समुदाय थे। इन समुदायों ने मुगल साम्राज्य के अंतर्गत अपने स्वतंत्र साम्राज्य स्थापित किए थे तथा समय आने पर मुगलों से विद्रोह भी किया था। दोनों ही जनजातियों में कुछ समानताएं और विभिन्नताएं हैं। गोंड लोग गोंडवाना के मूल निवासी थे, परंतु अहोम में लोग म्यांमार से आकर बसे थे।

गोंडवाना राज्य अहोम राज्य से बड़ा था। आग्नेय अस्त्रों का इस्तेमाल गोंड लोग नहीं जानते थे , बल्कि अहोम लोग बारूद के निर्माण जानते थे। दोनों ही साम्राज्यों के लोगों ने मुगलों के खिलाफ विद्रोह शुरू किया और दोनों ही उनसे हार गये।

Page : 103 , Block Name : आइए विचार करें

Q10 एक मानचित्र पर इस अध्याय में उल्लेखित जनजातियों के इलाकों को चिह्नित करें। किन्हीं के संबंध में यह चर्चा करें कि क्या उनके जीविकोपार्जन का तरीका अपने-अपने इलाकों की भौगोलिक विशेषताओं और पर्यावरण के अनुरूप था?

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 103 , Block Name : आइए करके देखें

Q11 जनजातीय समूहों के संबंध में मौजूदा सरकारी नीतियों का पता लगाये और उनके बारे में एक बहस का आयोजन करें।

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 103 , Block Name : आइए करके देखें

Q12 उपमहाद्वीप में वर्तमान खानाबदोश पशुचारी समूहों के बारे में और पता लगाएँ। वे कौन से जानवर रखते हैं? वे प्रायः किन इलाकों में जाते रहते हैं।

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 103 , Block Name : आइए करके देखें

aglasem.com